

इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रपिर्त 2023

प्रलिस के लयि:

[शहरी नयिजन](#), [शहरी सथानीय नकिय](#), [नगर नगिम बॉण्ड](#), [इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रपिर्त](#), [शहरी ताप दवीप](#)

मेन्स के लयि:

भारत के शहरी क्षेत्र से संबंघति प्रमुख चुनौतयिँ, शहरी वकिस से संबंघति हालयिा पहल

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में [शहरी नयिजन](#) और वकिस पर [भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर रपिर्त \(IIR\) 2023](#) जारी की गई, यह एक व्यापक दस्तावेज़ है जो देश में बुनयिादी ढाँचे की योजना, वतित एवं शासन के वभिनिन पहलुओं को शामिल करता है।

- IIR 2023 IDFC फाउंडेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (कर्नाटक) लिमिटेड (iDeCK) तथा [राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान \(National Institute of Urban Affairs- NIUA\)](#) का एक सहयोगात्मक प्रयास रहा है।

नोट:

- IDFC फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संगठन है जो भारत में सामाजिक बुनयिादी ढाँचे, अनुसंधान तथा वकालत का समर्थन करता है
 - यह रपिर्त तथा शोध प्रकाशति करता है जो बुनयिादी ढाँचे के वकिस हेतु नवीन अंतर्दृष्टि एवं समाधान प्रदान करता है।
- iDeCK कर्नाटक सरकार, IDFC फाउंडेशन तथा HDFC का एक संयुक्त उद्यम है जो सतत बुनयिादी ढाँचा परयोजनाओं पर कार्य करता है। यह IDFC फाउंडेशन एवं ICAP ट्रस्ट के माध्यम से अनुसंधान व कषमता नरिमाण गतविधियिँ का समर्थन करता है।

इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रपिर्त की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- शहरी चुनौतयिँ पर वशिषगत फोकस:
 - IIR उन प्रमुख वशिषयों का व्यवस्थति रूप से समाधान करता है जो भारत की शहरी चुनौतयिँ के केंद्र में हैं।
 - इनमें [योजना और शासन](#), [समार्ट पहल](#), [सार्वजनिक-नजी भागीदारी \(PPP\)](#) तथा [वतितपोषण](#), [आवास एवं प्रवासन](#), [सार्वजनिक सेवा वतिरण](#), [बुनयिादी ढाँचे का एकीकरण](#) और [शहरी पुनर्वकिस](#) शामिल हैं।
- योजना तंत्र की समीक्षा:
 - शहरों को "आवास के योग्य (Unlivable)" बनाने और [मलनि बस्तयिँ के उद्भव](#) में योगदान देने के लयि मौजूदा योजना तंत्र, वशिष रूप से भवन नरिमाण पर प्रतबिंधों की आलोचना की गई है।
 - शहरी चुनौतयिँ में एक प्रमुख कारक के रूप में खराब योजना की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है।
- लो फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) और अव्यवस्थति शहरी वसितार:
 - उच्च-घनत्व वकिस और [शहरी वसितार](#) (शहरों एवं कस्बों की अवकिसति भूमि पर तेज़ी से वसितार) पर लो फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) या [फ्लोर एरयिा अनुपात \(FAR\)](#) के प्रभाव को रेखांकति करता है।
 - लो फ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) का मतलब है क्लॉट का एक छोटा क्षेत्र वकिसति कयिा जाएगा। यह एक [भूखंड पर अधिकतम स्वीकार्य नरिमाण घनत्व नरिधारति करने](#) के लयि शहरी नयिोजन में उपयोग कयिा जाने वाला एक पैरामीटर है।
 - यह कम FSI को [मलनि बस्तयिँ के नरिमाण से जोड़ता](#) है, जसिमें नयिोजन त्रुटयिँ पर ध्यान केंद्रति कयिा जाता है, इससे जनसंख्या घनत्व बढ़ जाता है।

- इस रपिर्ट के अनुसार, शहरों को पुनर्विकास नीतिको अपनाना चाहिये, जिसमें उच्चफ्लोर स्पेस इंडेक्स (FSI) और बेहतर सड़क कनेक्टिविटी के बदले नज्दी मालिकों से भूमिकी पुनर्प्राप्तिपर बल दिया गया है।
- साथ ही यह गतिशील शहरों के निर्माण की वकालत करती है जिसमें शहरों के विकास के साथ-साथ वहन क्षमता में भी वृद्धिकी आवश्यकता पर बल दिया गया है।
- शहरी स्थानीय नकियों का वित्तीय प्रबंधन:
 - इस रपिर्ट में शहरी स्थानीय नकियों के वित्तीय प्रबंधन के विश्लेषण पर प्रकाश डालते हुए वित्तीय स्थायित्व की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है।
 - रपिर्ट में PPP और नगरपालिका बंधपत्र (बॉण्ड) को शहरी विकास पहलों के वित्तपोषण के लिये महत्त्वपूर्ण उपकरणों के रूप में प्रचारित किया गया है।
 - रपिर्ट के अनुसार, सड़कों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और ऊर्जा क्षेत्र में PPP में भारत अग्रणी रहा है, वहीं शहरी क्षेत्र में PPP की कम भागीदारी देखी गई है।

इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर रपिर्ट (IIR):

- IIR 2023 में भारत में शहरी विकास की वर्तमान स्थितिपर शहरी विकास एवं नीतिपारिस्थितिकी तंत्र के 25 अध्याय शामिल हैं।
- वार्षिक रूप से प्रकाशित होने वाली यह रपिर्ट बुनियादी ढाँचे के विकास से संबंधित समसामयिक वर्षियों से संबद्ध वधिकि, राजकोषीय, वनियामक, तकनीकी, सामाजिक तथा वैचारिक पहलुओं की पहचान एवं विश्लेषण करने में सहायक रही है।
- यह शहरी नीति तैयार करने में शामिल लोगों के साथ-साथ भारत के बुनियादी ढाँचे व शहरीकरण के विकास में रुचिरिखने वालों, जैसे- नीति निर्माताओं, नविशकों, शक्तिषावर्दों, फाइनेंसर एवं बहुपक्षीय एजेंसियों के लिये एक अमूल्य संसाधन है।

भारत में वर्तमान शहरी परदृश्य क्या है?

- भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके विकास को शहरों से गति मिलती है।
 - राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में शहरों का योगदान 66% है, वर्ष 2050 तक यह संख्या बढ़कर 80% होने की उम्मीद है।
- भारत में शहरीकरण की गति अपेक्षाकृत धीमी रही है, आधिकारिक तौर पर 2001-2011 तक वर्गीकृत शहरी बस्तियों में रहने वाली आबादी का हिससा प्रतवर्ष केवल 1.15% से अधिक की दर से बढ़ा है।
- भारत के सात सबसे बड़े महानगरीय क्षेत्र मुंबई, दल्लि, बंगलूरु, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और अहमदाबाद हैं।

शहरी विकास से जुड़ी पहलें क्या हैं?

- [समार्ट सिटीज](#)
- [स्वच्छ भारत मिशन - शहरी](#)
- [हृदय योजना](#)
- [आकांक्षी जिला कार्यक्रम](#)
- [अटल शहरी कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन \(AMRUT\)](#)
- [प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी \(PMAY-U\)](#)
- [नवपरिवर्तन, एकीकरण और सतत शहरी नविश- 2.0](#)
- [द अरबन लरनिंग इंटरनशपि प्रोग्राम-टयूलपि](#)
- [आत्मनिर्भर भारत अभियान](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. कई वर्षों से उच्च तीव्रता की वर्षा के कारण शहरों में बाढ़ की बारंबारता बढ़ रही है। शहरी क्षेत्रों में बाढ़ के कारणों पर चर्चा करते हुए इस प्रकार की घटनाओं के दौरान जोखिम को कम करने की तैयारियों की क्रियाविधिपर प्रकाश डालिये। (2016)